सांध्य दैनिक

# 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 329 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 5 जनवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

अतीत, भविष्य की तरह ही अनिश्चित है और केवल संभावनों के एक स्पेक्ट्रम के रूप में मौजूद है।

-स्टीफन हॉकिंग


चुनाव से पहले किसानों को दी... 2 | अखिलेश भी साफ्ट हिंदुत्व की... 3 | कोरोना : प्रदेश में बढ़ी सख्ती... 7


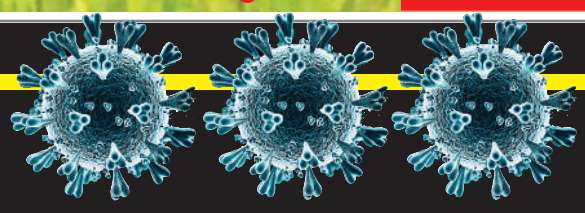

## तीसरी लहर की आहट!

# देश में कोरोना विस्फोट, एक दिन में मिले 58 हजार मरीज

» महाराष्ट्र, दिल्ली और यूपी समेत कई राज्यों में तेजी से बढ़ रहा संक्रमण

» चौबीस घंटे में 56 फीसदी बढ़े केस, संक्रमण दर चार फीसदी के पार

» पाबंदियों के बावजूद तेजी से बिगड़ रहे हालात ने बढ़ाई चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना की तीसरी लहर की आहट सुनायी देने लगी है। 24 घंटे में 58 हजार से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 534 लोगों की मौत हो गयी है। बीते चौबीस घंटे में कोरोना मरीजों की संख्या में 56 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गयी है। इसके साथ संक्रमण दर चार फीसदी से अधिक हो गयी है। कोरोना की रफ्तार ने केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता बढ़ा दी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बीते चौबीस घंटे में 58,097 लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं। दैनिक संक्रमण दर 4.18 फीसदी हो गई है। देश में अब दो लाख 14 हजार से अधिक सक्रिय मरीज हो गए हैं। वैक्सीनेशन का आंकड़ा 147 करोड़ को पार कर गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, महाराष्ट्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, बिहार, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, केरल, गोवा, पंजाब और तेलंगाना में मामले में तेजी से वृद्धि देखी गई है और यही वजह रही है कि कोरोना का आंकड़ा 58 हजार को पार कर गया। गौरतलब है कि मंगलवार को कोरोना के 37,379 नए मामले सामने आए थे लेकिन आज 58 हजार से अधिक मामले सामने आए हैं जो कल की तुलना में लगभग 56 फीसदी से भी अधिक है। हैरानी की बात यह है कि पाबंदियों के बावजूद हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए अब विशेषज्ञ तीसरी लहर की आशंका जताने लगे हैं।

## बिहार के दो उपमुख्यमंत्रियों समेत पांच मंत्री संक्रमित

पटना। बिहार में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी समेत पांच मंत्री कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। मंत्रियों में सुनील कुमार, अशोक चौधरी और विजय चौधरी का नाम शामिल है। बताया जा रहा है कि आज बिहार कैबिनेट की बैठक होनी है। संक्रमण की रिपोर्ट सामने आने के बाद ये सभी एहतियातन आइसोलेट हो गए हैं। कोरोना संक्रमित पाए गए डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के साथ बाढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इससे पहले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी समेत उनके परिवार के कई सदस्य कोरोना की चपेट में आ गए थे। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार सीएम नीतीश कुमार के करीबी और कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्री अशोक चौधरी के साथ ही उनके कई परिजन भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं।

## ओमिक्रॉन का ग्राफ भी बढ़ा

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार देश में ओमिक्रॉन के मामलों की कुल संख्या बढ़कर 2,135 हो गई है। 653 मामलों के साथ महाराष्ट्र पहले स्थान पर तो 464 मरीजों के साथ दिल्ली दूसरे स्थान पर है। ओमिक्रॉन के 2,135 मरीजों में से 828 मरीज रिकवर भी हो गए हैं।

## पिछले साल 28 जनवरी को देखी गई थी यह वृद्धि

पिछले साल 28 जनवरी को इसी तरह की तेजी देखी गई थी और ऐसा इसलिए था क्योंकि गणतंत्र दिवस पर परीक्षण में व्यवधान के कारण पिछले दिन की गिनती में तेजी से गिरावट आई थी लेकिन अभी तो गणतंत्र दिवस दूर है और इस तरह से मामले आना चिंताजनक है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

# बलरामपुर में सपा नेता फिरोज की हत्या से सनसनी, फोर्स तैनात

» पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष की हत्या से क्षेत्र में तनाव

» अज्ञात हमलावरों ने गला रेतकर की हत्या, पुलिस कर रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलरामपुर। जनपद में सपा नेता व तुलसीपुर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष फिरोज पप्पू की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद तुलसीपुर नगर पंचायत में तनाव का माहौल है, जिसे देखते हुए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

घटना तुलसीपुर थाना क्षेत्र के जरवा रोड की है। बताया जा रहा है कि पूर्व चेयरमैन फिरोज पप्पू लखनऊ गए हुए थे और वापस लौट कर जरवा रोड

स्थित अपने आवास जा रहे थे तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया। धारदार हथियार से गला रेतने के बाद उन पर कई वार किए। आसपास के लोग उन्हें लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक सपा नेता व पूर्व अध्यक्ष फिरोज पप्पू की पत्नी कहकशा फिरोज इस वक्त नगर पंचायत तुलसीपुर की अध्यक्ष हैं। मामले में एसपी हेमंत कुटियाल ने बताया कि तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। हमलावरों की तलाश की जा रही है।

# शामली-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे पर अखिलेश ने भाजपा को घेरा, कहा अब आयी याद

» सपा प्रमुख ने पूछा, झांसी-दिल्ली एक्सप्रेस-वे के वादे का क्या हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। इस बार उन्होंने शामली-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे को लेकर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट किया कि अब जब भाजपा की सत्ता की शाम ढलने पर आ गयी है तब उसे शामली-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे की याद आ रही है।

उन्होंने लिखा, अब जब भाजपा की सत्ता की शाम ढलने पर आ गयी है, तब 'शामली-गोरखपुर' एक्सप्रेस-वे की याद आ रही है लेकिन मान्यवर ने अपने शासन काल की शुरुआत में जिस 'झांसी-दिल्ली एक्सप्रेस-वे' का वायदा किया था 'सुबह के भूले' बताएं उसका क्या हुआ और 'ग्वालियर-लिपुलेक' मार्ग की कुछ याद है कि नहीं। गौरतलब है कि पीएम मोदी गोरखपुर से शामली के बीच ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का शुभारंभ करने जा रहे हैं। 500 किलोमीटर लंबा ये एक्सप्रेस-वे गोरखपुर के सोनौली फोरलेन पर पीपीगंज के पास से शुरू होकर यूपी के 20 जिलों से गुजरते हुए शामली तक जाएगा। इसके लिए नए सिरे से जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा।

# चुनावी हिंदुओं से रहें सावधान : केशव

## सपा पर कसा तंज- लाल टोपी लगाते हैं, जालीदार टोपी जेब में रखते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बलिया में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्ष पर जमकर बरसे। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव को 2022 के लिए प्रयास बंद कर देना चाहिए, ये प्रयास 2027 के लिए रखें। कांग्रेस और सपा को चुनावी हिंदू करार देते हुए जनता को इनसे सावधान रहने की सलाह भी दी। उपमुख्यमंत्री बलिया के सिकंदरपुर विधानसभा क्षेत्र के चेतन किशोर मैदान में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने अखिलेश यादव द्वारा भगवान परशुराम की प्रतिमा अनावरण पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो भगवान राम का नहीं हुआ वो परशुराम का क्या होगा। कारसेवकों पर गोली और कांवरियों पर लाठी बरसाने वाले अब राम का नाम अलापने लगे हैं। लाल टोपी लगाने वाले और जालीदार टोपी जेब में लेकर चलने वालों को प्रदेश की जनता पूरी तरह पहचान चुकी है। शुरू से सपा पर हमलावर रहे उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब से समाजवादी इत्र की दुर्गंध फैली है तब से अखिलेश के चेहरे पर 12 बज गए हैं। हलक से आवाज नहीं निकल रही है। कांग्रेस पर टीका टिप्पणी को समय की बर्बादी बताया। प्रदेश के डिप्टी

सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण करने वालों को चेतावनी दी कि 100 में 60 फीसदी हमारा है। बाकी 40 फीसदी में बंटवारा है। इसमें भी हमारा है। कहा कि सपा 47 की संख्या पूरी कर ले तो वह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। केशव ने कहा भाजपा सरकार में कराए गए विकास कार्यों से प्रभावित हुई जनता इन लोगों को सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है। जनता को भरोसा हो चुका है कि भ्रष्टाचारियों, अपराधियों, गुंडों और लुटेरों से भाजपा ही लड़ सकती है। विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद अखिलेश विदेश चले जाएंगे, राहुल गांधी पहले ही चले गए हैं।

### विपक्षी दलों को पीएम मोदी बर्दाश्त नहीं

डिप्टी सीएम ने कहा कि विपक्षी दलों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा बर्दाश्त नहीं हो रही हैं। क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार के रास्ते बंद कर दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी देश को ईमानदारी के पथ पर ले जाने का कार्य कर रहे हैं, जबकि विरोधी दुष्प्रचार कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विरोधी झूठ बोलने की ऑटोमेटिक मशीन हैं। उन्होंने कहा, वर्ष 2017 में शुरू हुई आंधी तूफान बन गई है। तब सपा-बसपा गठबंधन भी था। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बने होते तो राम मंदिर नहीं बनता। गरीबों को मकान नहीं मिलते। सपा सरकार में तीन से चार घंटे बिजली के लिए तरसने वाली प्रदेश की जनता आज 16 से 18 घंटे बिजली सप्लाई का आनंद उठा रही है।

# यूपी को योगी नहीं योग्य मुख्यमंत्री की जरूरत : राजभर

» बाबा जाएंगे गोरखपुर, प्रदेश में बनेगी सपा गठबंधन की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी में अजगरा विधानसभा के ग्रामसभा मोहनपुर में कमेरा किसान वंचित पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर तथा विशिष्ट अतिथि अपना दल कमेरवादी की राष्ट्रवादी कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. पल्लवी पटेल रहीं।

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि भारत के प्रथम गृहमंत्री सरदार पटेल ने 567 रियासतों को प्रेम की भाषा से एक डोर में पिरोया था। डॉ. सोनेलाल पटेल का भी सपना था कि सभी कमेरा समाज को एक डोर में रखा जाए आज उसी काम को माता कृष्णा पटेल आगे बढ़ा रही हैं। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि भारत के संविधान और प्रदेश को बचाना जरूरी है।

कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी एक नंबर और दो नंबर के झूठे हैं। 15 लाख देने की बात झूठी है, पाकिस्तान से 1 के बदले 10 सिर लाने की बात, महंगाई को कंट्रोल करने की बात, रोजगार देने की बात किसानों का धन दुगना करने की बात सब झूठी है। एक साल तक गलत कानून लगाकर 700 किसानों को मौत के घाट पहुंचाने वाली इस सरकार को किसान, नौजवान और बेरोजगार खोज रहा है। यह झूठ और घोटाले की सरकार है। उन्होंने कहा कि योगी ने प्रदेश को रोगी बनाया है। योगी नही योग्य मुख्यमंत्री की जरूरत है। 90 दिन के बाद अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाऊंगा बाबाजी को गोरखपुर भेजूंगा। उन्होंने कहा अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाकर संविधान बचाना है। कक्षा 12 तक फ्री शिक्षा, फ्री चिकित्सा, जातिगत जनगणना, फ्री घरेलू बिजली, शराबबंदी, एकल शिक्षा नीति, किसानों को मुफ्त बिजली, छूटा पशुओं को गौशाला, छात्रवृत्ति, बच्चों को स्कूल जाना अनिवार्य किया जाएगा। सबका साथ, समूचित विकास किया जाएगा। बिना पैसे का स्नाकोत्तर तक पढ़ाई का कानून बनाया जाएगा। समाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू की जाएगी। पिछड़ी जाति के 27 प्रतिशत आरक्षण को 52 प्रतिशत करना चाहते हैं। डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि कुर्मी जाति की सबसे अधिक दुर्दशा इसी सरकार में हुई है। अति पिछड़े समाज के लोगों को अब बीजेपी से दूर रहने की जरूरत है। राजभर ने कहा कि भाजपा के फूल को धूल में मिलना है 2022 में कमेरों की सरकार बनेगी।

# कारागार मंत्री ने अपना दल के कार्यकताओं में भरा जोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कारागार मंत्री जय कुमार सिंह ने बरेली में कहा कि मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के निर्देश पर बरेली में पार्टी की स्थिति का आंकलन करने आया हूं। कार्यकताओं के जोश और उनकी उपस्थिति को देख प्रतीत होता है कि गठबंधन में सीटें मिलने पर यहां से हर हाल जीत पक्की है। अनुप्रिया पटेल की मजबूती यहां के कार्यकर्ताओं से है।

यह बात अपना दल के जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश के कारागार राज्यमंत्री जय कुमार सिंह जैकी ने कही। जिलाध्यक्ष आनंद मोहन पटेल ने कहा कि कार्यकर्ता अनुप्रिया पटेल को मुख्यमंत्री बनाकर रहेंगे। युवाओं के साथ ही अन्य वर्गों के लोगों में विधानसभा चुनाव को लेकर जिस तरह का जोश है, उस लिहाज से जीत निश्चित है। प्रदेश सचिव अनुज गंगवार ने कहा कि हर परिस्थिति में पार्टी ने जरूरमंदों का हर स्तर पर सहयोग किया।

# पलिया विधायक रोमी साहनी ने बांटे कंबल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पलिया विधायक रोमी साहनी ने गोला स्थित अपने आवास पर गरीबों में कंबल बांटे। पंजाबी कॉलोनी में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में कंबल लेने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। विधायक रोमी साहनी ने बारी-बारी से कंबल दिया। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन भी कराया। हालांकि पहले लोग इकट्ठा हो गए। बाद में समझाने पर लाइन में लगकर कंबल लिया। भाजपा विधायक रोमी साहनी ने कहा कि चुनाव से इसका कोई वास्ता नहीं है। हर सर्दी में मैं गरीबों की मदद करता हूं। इसी के तहत कंबल बांटा गया है।

# मुख्यमंत्री के गढ़ में कांग्रेस का सम्मेलन 10 को, जुटेंगे दिग्गज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखण्ड में आचार संहिता लगने से पहले कांग्रेस का 10 जनवरी को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति का सम्मेलन मुख्यमंत्री के गढ़ खटीमा में होगा।

सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कांग्रेसियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। नगर व ब्लाक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मंगलवार को नगर स्थित एक बैंक्वेट हाल में बैठक हुई, जिसको संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष भुवन कापड़ी ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार में एससी, एसटी वर्ग के लोगों का उत्पीड़न हो रहा है। इसलिए पार्टी ने एक सम्मेलन करने का निर्णय लिया है। जो 10 जनवरी को तराई बीज विकास निगम के मैदान में होगा। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारी भी सौंपी गई।

# चुनाव से पहले किसानों को दी जा सकती है मुफ्त बिजली

» उपभोक्ता परिषद ने फार्मूला देने की पेशकश की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद का कहना है कि कुछ राज्यों की तरह यूपी में भी किसानों को आसानी से मुफ्त बिजली दी जा सकती है। परिषद का कहना है कि ऐसा करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है। परिषद ने किसानों को मुफ्त बिजली देने के लिए सरकार को फार्मूला देने की पेशकश भी की है।

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि चुनाव नजदीक आते ही मुफ्त और सस्ती बिजली की सियासत तेज हो जाती है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, पंजाब, तमिलनाडु व

तेलंगाना में किसानों को मुफ्त बिजली दी भी जा रही है। हरियाणा व पुडुचेरी में किसानों की दर न के बराबर है। दूसरी तरफ यूपी में ग्रामीण क्षेत्र में अनमीटर्ड किसानो की दर 170 रुपये प्रति हॉर्स पावर तथा मीटर्ड की 70 रुपये प्रति हॉर्स पावर व विद्युत मूल्य 2 रुपये प्रति यूनिट है। शहरी क्षेत्रों में यह 130 रुपये प्रति हॉर्स पावर व विद्युत मूल्य 6 रुपये प्रति यूनिट है। वर्मा ने कहा प्रदेश में कुल 13,16,399 निजी नलकूप उपभोक्ता हैं। इनका कनेक्टेड लोड 79,41,706 किलोवाट है। इनके लिए 14006 मिलियन यूनिट बिजली की जरूरत होती है । जिसकी कुल लागत लगभग 1845 करोड़ रुपये होती है। किसानों और छोटे घरेलू उपभोक्ताओं को रियायती बिजली के लिए राज्य सरकार 11 हजार करोड की सब्सिडी देती है। अगर राज्य सरकार किसानों को मुफ्त बिजली देना चाहती है तो उसे 2000 करोड़ रुपये अतिरिक्त सब्सिडी देनी होगी। वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा उत्पादन इकाइयों के बकाये पर लगने वाले विलंब भुगतान सरचार्ज को 18 से घटाकर 12 प्रतिशत कर दिया जाए तो इससे 700-800 करोड़ की बचत हो सकती है। साथ ही महंगी बिजली खरीद पर पाबंदी लगाकर 1000 करोड़ रुपये बचाए जा सकते हैं। इससे किसानों को मुफ्त बिजली का रास्ता खुल सकता है। वर्मा ने कहा कि सरकार चाहे तो परिषद इसका विस्तृत फार्मूला देने को तैयार है।

# अखिलेश भी साफ्ट हिंदुत्व की राह पर

## पहली बार करेंगे रामलला का दर्शन, सपने में आते हैं श्रीकृष्ण

### » आठ व नौ जनवरी को प्रस्तावित है अयोध्या का दो दिवसीय दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सत्ता वापसी की जोरदार तैयारी में लगे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कहीं पर भी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2022 में चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके अखिलेश यादव के सपने में भगवान श्रीकृष्ण अब रोज आ रहे हैं, इसी के साथ ही उनका आठ या नौ को अयोध्या में श्रीराम लला के दर्शन करने का भी कार्यक्रम तय हो गया है। अखिलेश यादव ने साफ्ट हिंदुत्व की राह पकड़ ली है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इन दिनों नई हवा है, नई सपा है का नारा बुलंद करते मठ-मंदिरों के दर्शन कर रहे हैं। उनकी इस नई राजनीतिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव रामनगरी अयोध्या होगी।

यह इस कारण भी बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि वह पहली बार वह रामलला के दर्शन भी कर सकते हैं। आठ व नौ जनवरी को प्रस्तावित अयोध्या के दो दिवसीय दौरे में उनका रात्रि प्रवास भी है। उनके रामलला के दर्शन की प्रबल संभावना इसलिए भी है क्योंकि भाजपा लगातार राम मंदिर का मुद्दा उछालकर सपा के लिए कठघरा बनाने के प्रयास में है तो अखिलेश भी साफ्ट हिंदुत्व की राह पर तेजी से कदम बढ़ाते जा रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश यदि इस बार रामलला का दर्शन करते हैं तो यह पहली बार होगा। अयोध्या में रात्रि प्रवास भी पहला ही होगा। यूं तो तमाम नेता प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन अखिलेश पर सबकी निगाहें इसलिए भी हैं कि चुनाव नजदीक है और अयोध्या से जुड़े बड़े घटनाक्रमों के एक सिरे पर भाजपा तो दूसरे पर सपा खड़ी रही। वह घटनाक्रम देश की राजनीति को प्रभावित करते रहे हैं।

### अयोध्या में करेंगे कई जनसभाएं

बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष संगठन की कमान संभालने के बाद अखिलेश ने अपनी रणनीति को पूरी तरह बदला है। ध्रुवीकरण की किसी भी धार को कुंद करने के प्रयास में वह साफ्ट हिंदुत्व की राह पकड़े हुए हैं ताकि सपा की धर्मनिरपेक्षता वाली छवि को भी किसी तरह का नुकसान न पहुंचे। यही वजह है कि पिछले वर्ष जनवरी में चित्रकूट के लक्ष्मण पहाड़ी मंदिर गए और कामदगिरि की परिक्रमा भी की। पिछले महीने रायबरेली जाते समय हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की और रविवार को लखनऊ में भगवान परशुराम के मंदिर में पूजन किया। माना जा रहा है कि इसी रणनीति के तहत अब अयोध्या जा रहे हैं। विस्तृत कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है लेकिन उम्मीद की जा रही है कि सपा अध्यक्ष समाजवादी विजय रथ यात्रा से अयोध्या पहुंचेंगे और विधान सभा क्षेत्रों से गुजरते हुए जनसभाएं भी करेंगे।

### राजनीतिक दिशा तय कर चुके हैं सपा प्रमुख

विधान सभा चुनाव में अयोध्या के पुराने विवाद और इतिहास के पन्ने बार-बार पलटकर भाजपा इसे गर्माए रखना चाहती है। राम मंदिर निर्माण का श्रेय खुद लेते हुए सपा पर सवाल लगभग हर मंच से उठाए जा रहे हैं। इस राजनीति और रणनीति को समझ रहे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पहले ही अपनी नई राजनीतिक दिशा तय कर चुके हैं। सत्ताधारी दल के इन प्रश्नों का उत्तर हाल ही में खुलकर उन्होंने यूं दिया कि सपा की सरकार होती तो राम मंदिर अब तक बन चुका होता। अब उन्होंने अयोध्या भ्रमण का भी कार्यक्रम बना लिया है। वह आठ जनवरी को वहां पहुंचेंगे। रात्रि प्रवास कर नौ को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि इस बीच सपा मुखिया रामलला के दर्शन भी कर सकते हैं।

### मेरे भी सपने में आते हैं श्रीकृष्ण

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा के राज्यसभा सदस्य की पार्टी अध्यक्ष को लिखी गई चिट्ठी पर तंज करते हुए कहा कि मेरे भी सपने में श्रीकृष्ण आते हैं और कहते हैं कि विधान सभा चुनाव के बाद बन रही समाजवादी सरकार प्रदेश में रामराज्य लाने का काम करेगी। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि कई जगह कि मैंने तस्वीर देखी है, चाउमीन के ठेलों पर भी जन विश्वास यात्रा से ज्यादा भीड़ होती है।

# टिकट बंटवारे को लेकर भाजपा ने तैयार किया नया फॉर्मूला

## पार्टी की टीम कर रही विधान सभा क्षेत्रों का सर्वे, ले रही जनता की राय

### » फाइनल रिपोर्ट के आधार पर तय होंगे प्रत्याशियों के नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा ने कमर कस ली है। एक ओर पीएम मोदी, अमित शाह और सीएम योगी समेत पार्टी के दिग्गज नेता ताबड़तोड़ रैलियां कर भाजपा के पक्ष में हवा बना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पार्टी की टीम जमीन पर उतरकर सर्वे कर रही है। वह टिकट बंटवारे से पहले लोगों की राय ले रही है।

भाजपा में टिकट बंटवारे को लेकर महामंथन शुरू हो गया है। विधान सभा क्षेत्रों में फाइनल सर्वे किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिल्ली और मध्य प्रदेश भाजपा की टीम आ चुकी है और करीब एक सप्ताह तक अलग-अलग विधान सभा क्षेत्रों में जाकर सर्वे करेगी। सर्वे के बाद जो यह टीम रिपोर्ट तैयार करेगी, उसे पार्टी नेतृत्व को सौंप दी जाएगी। दिल्ली और एमपी भाजपा की यह टीम पश्चिमी यूपी की करीब 71 सीटों पर सर्वे कर रही है।

फाइनल सर्वे को लेकर एक प्रदेशस्तरीय नेता को एक-एक मंडल की जिम्मेदारी दी गई है। तीन-तीन पदाधिकारियों को एक-एक विधान सभा क्षेत्र में लगाया गया है। टीम फाइनल सर्वे का काम शुरू कर चुकी है। मेरठ मंडल की जिम्मेदारी दिल्ली भाजपा के प्रदेशस्तरीय पदाधिकारी को दी गई है। माना जा रहा है कि भाजपा पदाधिकारियों की यह टीम इस मंडल के सभी जिलों का दौरा कर रही है और वह आम वोटर से लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं से मिल रही है और उनकी राय जान रही है। सूत्रों की मानें तो पार्टी यह जानने की कोशिश कर रही है कि वर्तमान विधायक के नाम पर कार्यकर्ता से लेकर वोटर कितने संतुष्ट हैं या फिर उनके मन में किसी और नेता की चर्चा है। टिकट किसे दिया जाए या किसे नहीं, इसे लेकर लोगों की राय भी जानी जा रही है। प्रखंड स्तर से लेकर जिला स्तर के कार्यकर्ताओं से भी राय ली जा रही है कि उनसे विधान सभा क्षेत्र में कौन टिकट के योग्य होगा।

### बुद्धिजीवियों के सुझाव से तैयार होगा घोषणा पत्र

लखनऊ। आगामी विधान सभा चुनाव के लिए सरगर्मी बढ़ चुकी है। रैली और सभाओं के साथ ही भाजपा अपना घोषणा पत्र कुछ हटकर तैयार करने में जुटी है। इसमें विपक्ष को घेरने, उनकी सभी चालों का जवाब देने के साथ जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को भी समेटने की तैयारी है। इसके लिए संगठन की तरफ से 15 दिन का सुझाव आप के संकल्प हमारा अभियान शुरू किया गया है। जगह-जगह पेटी रखकर लोगों के सुझाव लिए जा रहे हैं। इसमें शहर के शिक्षकों, अधिवक्ताओं, खास पहचान रखने वाली महिलाओं व अन्य संगठन से जुड़े पदाधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। उनके सुझाव भी बंद लिफाफे में लिए गए। सुझाव संकलन अभियान में अतिथि के रूप में पहुंची राज्य सभा सदस्य सीमा द्विवेदी ने कहा कि भाजपा ने 2017 विधानसभा चुनाव में जो घोषणापत्र जारी किया उसे पूरा किया।

### हर विधान सभा क्षेत्रों में लिया जा रहा फीडबैक

कहा जा रहा है कि हर विधान सभा क्षेत्र में कम से कम सौ लोगों से फीडबैक लिया जा रहा है। इसमें आम जनता से लेकर पार्टी के हर स्तर के कार्यकर्ता होंगे। उनके फीडबैक के आधार पर यह टीम शीर्ष नेतृत्व को अपनी रिपोर्ट देगी और फिर इस रिपोर्ट को टिकट फाइनल करने वाली कमेटी के सामने रखा जाएगा। फिर यह कमेटी प्रदेश नेतृत्व को भेजेगी और तब जाकर भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति में इस पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि इस पूरी प्रक्रिया में करीब 12 से 15 दिनों का वक्त लगेगा।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# अर्थव्यवस्था के बेपटरी होने की आशंका

**"यदि स्थितियां नहीं सुधरीं तो एक बार फिर देश के कई राज्यों में लॉकडाउन जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी और यह लोगों से उनका रोजी-रोजगार छीन लेगी। इसके कारण अर्थव्यवस्था रसातल में पहुंच जाएगी। सरकार को तत्काल इसको नियंत्रित करने के उपायों के साथ आर्थिक गतिविधियां जारी रखने के विकल्प पर भी विचार करना होगा।**

*देश में कोरोना ने एक बार फिर कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पाबंदियों का दौर तेजी से लौटने लगा है। दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू लगा दिया गया है जबकि मुंबई में कभी भी लॉकडाउन लगाया जा सकता है। वहीं यूपी समेत देश के कई अन्य राज्यों में रात्रिकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है। यही हाल रहा तो तमाम राज्यों में लॉकडाउन जैसी स्थितियां फिर से दिखने लगेगी और इसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। इसके बेपटरी होने की आशंका बढ़ती जा रही है। सवाल यह है कि विशेषज्ञों की तमाम चेतावनियों के बावजूद हालात बदतर क्यों हुए? केंद्र और राज्य सरकारें कोरोना को नियंत्रित करने में नाकाम क्यों हुई? हालात खराब होने के बाद ही राज्य सरकारों की नींद क्यों टूटती है? क्या लोगों की लापरवाही के कारण देश में तीसरी लहर दस्तक देने लगी है? आखिर नागरिक अपने कर्तव्यों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या वीकेंड कर्फ्यू काफी होगा? क्या यह देश की अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी से नहीं उतार देगा?*

*ओमिक्रॉन वेरिएंट के साथ ही कोरोना की रफ्तार बेकाबू होती जा रही है। एक दिन में मिलने वाले केसों की संख्या 37 हजार को पार कर चुकी है। संक्रमण की दर में लगातार इजाफा हो रहा है। महाराष्ट्र, दिल्ली, बंगाल समेत कई राज्यों में हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। एक सप्ताह के अंदर दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट आठ फीसदी के ऊपर पहुंच चुकी है। यही हाल अन्य राज्यों का है। यूपी में भी कोरोना केसों में तेजी से वृद्धि दर्ज की जा रही है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल समेत कई हस्तियां कोरोना की चपेट में हैं। लगातार बढ़ रहे केसों ने राज्य सरकारों के हाथ-पांव फूला दिए हैं। लिहाजा अब कोरोना प्रोटोकॉल के पालन में सख्ती बरतने पर जोर दिया जा रहा है। दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू लागू करने की घोषणा कर दी गयी है। सच यह है कि इसके लिए नागरिकों और राज्य सरकारों की लापरवाही जिम्मेदार है। यदि दोनों ने विशेषज्ञों की चेतावनी को अनसुना नहीं किया होता तो हालात इतने गंभीर नहीं होते। लापरवाही का आलम यह है कि अभी भी बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर लोग मास्क का प्रयोग नहीं कर रहे हैं। सोशल डिस्टेंसिंग तो दूर की कौड़ी हो गयी है। यह स्थिति तब है जब ओमिक्रॉन का संक्रमण पिछले डेल्टा वायरस से कई गुना अधिक तेजी से फैलता है। यदि स्थितियां नहीं सुधरी तो एक बार फिर देश के कई राज्यों में लॉकडाउन जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी और यह लोगों से उनका रोजी-रोजगार छीन लेगी। इसके कारण अर्थव्यवस्था रसातल में पहुंच जाएगी। सरकार को तत्काल इसको नियंत्रित करने के उपायों के साथ आर्थिक गतिविधियां जारी रखने के विकल्प पर भी विचार करना होगा।*

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# बिटकॉइन की चुनौती और डिजिटल करेंसी

भरत झुनझुनवाला

भारतीय रिजर्व बैंक डिजिटल करेंसी जारी करने पर विचार कर रहा है। डिजिटल करेंसी हमारे नोट की तरह ही होती है। अंतर यह होता है कि यह कागज पर छपा नोट नहीं होता है बल्कि यह एक नंबर मात्र होता है जिसे आप अपने मोबाइल अथवा कम्प्यूटर पर संभाल कर रख सकते हैं। उस नंबर को किसी के साथ साझा करते ही उस नंबर में निहित रकम सहज ही दूसरे के पास पहुंच जाती है। डिजिटल करेंसी के पीछे क्रिप्टो करेंसी का जोर है। क्रिप्टो करेंसी की इजाद बैंकों के नियंत्रण से बाहर एक मुद्रा बनाने की चाहत को लेकर हुआ था। कुछ कंप्यूटर इंजीनियरों ने मिलकर एक कठिन पहेली बनाई और उस पहेली को उनमें से जिसने पहले हल कर लिया उसे इनाम स्वरूप एक क्रिप्टो करेंसी अथवा बिटकॉइन या एथेरियम दे दिया। उस बिटकॉइन के निर्माण का खेलने वाले सभी ने अनुमोदन कर दिया कि यह नंबर फलां व्यक्ति को दिया जाएगा। इसी प्रकार नये बिटकॉइन बनते गए और इनका बाजार में प्रचलन होने लगा।

क्रिप्टो करेंसी केंद्रीय बैंकों के नियंत्रण से पूर्णतया बाहर है। जैसे यदि गांव के लोग आपस में मिलकर एक अपनी करेंसी बना लें तो उस पर सरकार का नियंत्रण नहीं रहता है। वे आपस में पर्चे छाप कर एक-दूसरे से लेनदेन कर सकते हैं। क्रिप्टो करेंसी का नाम 'इंक्रिप्टेड' से बनता है। जिस कम्प्यूटर में यह करेंसी रखी हुई है अथवा जो उस कम्प्यूटर का मालिक है उसका नाम इंक्रिप्टेड या गुप्त है। किसी को पता नहीं लग सकता है कि वह करेंसी किसके पास है। इस करेंसी को बनाने का उद्देश्य था कि सरकारी बैंकों द्वारा कभी-कभी अधिक मात्रा में नोट छाप कर बाजार में डाल दिए जाते हैं जिससे महंगाई बहुत तेजी से बढ़ती है। लोगों की सालों की गाढ़ी कमाई कुछ ही समय में शून्यप्राय हो जाती है। जैसे यदि आप 100 रुपए के नोट से वर्तमान में 5 किलो गेहूं खरीद सकते हैं। महंगाई तेजी से बढ़ने के बाद उसी 100 रुपये के नोट से आप केवल 1 किलो गेहूं खरीद पायेंगे। इस प्रकार की स्थिति से बचने के लिए इन इंजीनियरों ने क्रिप्टो करेंसी का आविष्कार किया, जिससे बैंकों द्वारा नोट अधिक छापे जाने से उनकी क्रिप्टो करेंसी की कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़े।

केंद्रीय बैंकों द्वारा क्रिप्टो करेंसी का विरोध तीन कारणों से किया जा रहा है। पहला यह कि अर्थव्यवस्था केंद्रीय बैंक के नियंत्रण से बाहर निकलने को हो जाती है। जैसे यदि देश में महंगाई अधिक हो रही है और रिजर्व बैंक ने मुद्रा के प्रचलन को कम किया तो क्रिप्टो करेंसी का चलन बढ़ सकता है और सरकार की नीति फेल हो सकती है। दूसरा क्रिप्टो करेंसी फेल हो सकती हैं। जैसे यदि कम्प्यूटर का नंबर हैक हो जाये अथवा क्रिप्टो करेंसी बहुत बड़ी संख्या में बनाई जाने लगे तो आज जिस बिटकॉइन को आप ने एक लाख में खरीदा है, वह कल पांच हजार रुपये का हो सकता है। तीसरा क्रिप्टो करेंसी का उपयोग आपराधिक गतिविधियों को सपोर्ट करने के लिए किया जा सकता है। अत: यदि केंद्रीय बैंक द्वारा बनाई गई मुद्रा अस्थिर हो तो क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से व्यापार सुचारु रूप से चल सकता है। मूल बात यह है कि यदि केंद्रीय बैंक जिम्मेदार है तो क्रिप्टो करेंसी अस्थिरता पैदा करती है लेकिन यदि केंद्रीय बैंक गैर-जिम्मेदार है तो क्रिप्टो करेंसी लाभप्रद हो सकती है। इस स्थिति में कई केंद्रीय बैंकों ने डिजिटल करेंसी जारी करने का मन बनाया है। डिजिटल करेंसी और क्रिप्टो करेंसी में समानता यह है कि दोनों एक नंबर होते हैं जो आपके मोबाइल में रखे जा सकते हैं लेकिन क्रिप्टो की तरह डिजिटल करेंसी गुमनाम नहीं होती है। रिजर्व बैंक द्वारा इसे उसी तरह जारी किया जाएगा जैसे नोट छापे जाते हैं। रिजर्व बैंक जान सकती है कि वह रकम किस मोबाइल में रखी है इसलिए डिजिटल करेंसी केंद्रीय बैंक के गैर जिम्मेदाराना व्यवहार से हमारी रक्षा नहीं करती है। नोट छापने की तरह केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी भी भारी मात्रा में जारी करके महंगाई पैदा कर सकती है।

लेकिन फिर भी मुद्रा को सुरक्षित रखने में डिजिटल करेंसी मदद करती है क्योंकि आपको नोटों को आग, पानी और चोरों से बचाना नहीं है। यदि कभी आप अपनी करेंसी का नंबर भूल जायें अथवा आपका मोबाइल चोरी हो जाये तो आपकी पहचान करके उसे वापस प्राप्त करने की व्यवस्था की जा सकती है। डिजिटल करेंसी का हमें स्वागत करना चाहिए विपरीत इसके कि यह केंद्रीय बैंक के गैर-जिम्मेदाराना आचरण से हमारी रक्षा नहीं करती है। केंद्रीय बैंक के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार को इस प्रकार के तकनीकी आविष्कारों से नहीं रोका जा सकता है। उसे ठीक करने का कार्य अंतत: राजनीति का है और उस व्यवस्था को सुदृढ़ करना चाहिए। डिजिटल करेंसी के माध्यम से नोट को छापने और रखने का खर्च कम होता है और लेन-देन भी सुलभ हो सकता है।

# पूर्वोत्तर में स्थायी शांति की पहल जरूरी

हर्षदेव

सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून को हटाने की नगालैंड की मांग के पक्ष में जल्दी ही सकारात्मक फैसला लिया जा सकता है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने इसका स्पष्ट संकेत दिया है। उन्होंने यह भी इशारा किया है कि असम से भी इस कानून को हटाने पर विचार हो रहा है। यदि ऐसा निर्णय लिया जाता है तो यह निश्चय ही पूर्वोत्तर की राजनीति के लिए सही दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव का कदम होगा और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। पूर्वोत्तर की राजनीति में धुरी की भूमिका निभा रहे मुख्यमंत्री सरमा का कहना है कि पूर्वोत्तर में कबीलाई उग्रवाद की राजनीति के दिन लद चुके हैं, उनकी यह बात काफी हद तक सही भी है। जो नई पीढ़ी आज सक्रिय है उसको अपने भविष्य और रोजगार के अवसरों की तलाश है। वह सात दशक से ज्यादा समय से चली आ रही कबीलाई राजनीति के संकुचित दायरों से बाहर निकलने को लालायित है। वह अपने भविष्य की ओर बढ़ना चाहती है। यह क्षेत्रीय सियासत के लिहाज से अहम घटनाक्रम है।

सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून को हटाने की मांग करने वालों में नगालैंड के अलावा मेघालय, मणिपुर और असम भी शामिल हैं। नगालैंड को इस बात से भी खासी नाराजगी है कि विवादों के बीच केंद्र सरकार ने इस कानून की अवधि छह महीने और बढ़ा दी है। 4 दिसंबर को राज्य के मोन जिले में सुरक्षाबलों की गोलीबारी में 13 निर्दोष नागरिकों की मृत्यु की घटना के बाद इस कानून को हटाने की मांग उठाई गई थी, जिसको बाद में विधान सभा ने भी पारित कर दिया। केंद्र सरकार इस बीच यह कानून हटाने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन कर चुकी है। यूपीए सरकार में गृहमंत्री रहे पी. चिदंबरम ने मौजूदा विवाद के बीच खुलासा किया है कि इस कानून को खत्म करने की सिफारिश साल 2005 में जस्टिस जीवन रेड्डी की कमेटी कर चुकी है। बाद में गठित आयोगों और अन्य कमेटियों ने भी यही राय दी थी।

सुरक्षा बलों को विशेष शक्ति देने वाला 1958 में लागू यह विशेष कानून समूचे पूर्वोत्तर राज्यों की जनता के विरोध का कारण रहा है। इस कानून का इस्तेमाल सुरक्षा बल और पुलिस एक हथियार की तरह करते रहे हैं। नगालैंड विधान सभा ने पिछले दिनों सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर इस कानून को वापस लेने पर सहमति जताई थी। पूर्वोत्तर में नगालैंड अकेला राज्य नहीं है जो इस मांग को लेकर अभियान चलाए हुए है बल्कि प्राय: सभी राज्य इसमें शामिल हैं। पूर्वोत्तर के राज्यों में असंतोष और बगावत की चुनौतियां नई नहीं हैं,लेकिन इन चुनौतियों से निपटने के लिए सुरक्षा बल जिस प्रकार कार्रवाई करते हैं उसको लेकर भी गंभीर सवाल उठते रहे हैं। बीते 4 दिसंबर को नगालैंड में जिस प्रकार पहले 6 और बाद में 7 और बेकसूर नागरिक सुरक्षा बलों की गोलियों का शिकार हुए, वह कोई कम चिंताजनक बात नहीं है। उससे पहले नवंबर महीने में मणिपुर के चूड़चंद्रपुर जिले में अलगाववादी गुरिल्लों ने असम राइफल्स के एक गश्ती दल पर हमला करके बटालियन कमांडर, उनकी पत्नी और बेटी के अलावा चार सैनिकों की भी जान ले ली थी।

असम के मुख्यमंत्री सरमा जो भी दावा करें, इस सच्चाई से इंकार नहीं किया जा सकता कि पूर्वोत्तर में आज भी कबीलाई पहचान के प्रति बहुत ज्यादा संवेदनशीलता बनी हुई है। इस कारण विभिन्न गुट अपनी अलग पहचान को लेकर न केवल सुरक्षा बलों वरन आपस में भी टकराते रहते हैं। इस बात में भी दो राय नहीं है कि सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए एक बड़ा सवालिया निशान है। सुरक्षाबलों को किसी की भी जान लेने की छूट दे देना और उसके खिलाफ कार्रवाई न किए जाने का कानूनी प्रावधान कम से कम लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वीकार नहीं किया जा सकता। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने यही बात कही भी है। सुरक्षा विशेषज्ञों का भी मानना है कि इस तरह का विशेषाधिकार कानून सुरक्षा बलों की जनता में विश्वसनीयता और पहुंच को कमजोर करता है। ऐसे कानून के रहते सैन्यबल कभी भी भरोसेमंद गोपनीय जानकारियां हासिल नहीं कर सकते और गलत जानकारियों के आधार पर कोई भी कार्रवाई कितनी नुकसानदेह हो सकती है, इसका सबूत तो हम 4 दिसंबर को नगालैंड के मोन जिले में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में देख सकते हैं।

इस कानून के प्रति पूर्वोत्तर राज्यों में व्याप्त आक्रोश इतने से ही समझा जा सकता है कि यहां के सभी सात राज्यों में छात्रों द्वारा विशेषाधिकार कानून के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन चल रहे हैं। प्रदर्शन की अगुवाई करने वाले छात्र संगठनों में खासी स्टूडेंट्स यूनियन, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन, नागा स्टूडेंट्स फेडरेशन, मिज़ो जरिलई पॉल, खासी स्टूडेंट्स फेडरेशन, ऑल मणिपुर स्टूडेंट्स यूनियन, गारो स्टूडेंट्स यूनियन, ऑल अरुणाचल प्रदेश स्टूडेंट्स यूनियन के नाम मुख्य रूप से लिए जा सकते हैं। छात्रों के ये प्रदर्शन खास तौर पर इन राज्यों में राजभवन के सामने और यूनिवर्सिटी में लगातार चल रहे हैं, रोष इतना है कि सरकारें डरी हुई हैं लेकिन मुख्य मीडिया में ये खबरें जगह नहीं बना पा रहीं हैं।

केंद्र सरकार को यह ध्यान रखना होगा कि पूर्वोत्तर राज्यों को विलय के समय उनकी विरासत और अलग पहचान की रक्षा का भरोसा दिया गया था और स्थायी शान्ति के लिए जरूरी है कि सरकार की ओर से इस वचन का पालन किया जाए।

## शकरकंद

विटामिन-ए, पोटैशियम और कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर शकरकंद ना सिर्फ कब्ज और इन्फ्लेमेशन से राहत देती है, बल्कि इम्यूनिटी भी बढ़ाती है। इसमें मौजूद विटामिन-सी इम्यूनिटी के लिए अच्छा होता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, शकरकंद का एक टुकड़ा शरीर में बीटा कैरोटीन की दिनभर की भरपाई के लिए काफी होता है। आप इसे सादा खा सकते हैं या दूध के साथ भी इसका सेवन कर सकते हैं।

## घी



आयुर्वेद के अनुसार, घी सबसे आसानी से पचने वाला फैट होता है। घी ना सिर्फ आपके शरीर को गर्म रखता है, बल्कि इंसटैंट एनेर्जी भी देता है। घी हमारे इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने का काम करता है और स्किन को फटने या ड्राई होन से रोकता है। आप रोटी, दाल चावल या सब्जी के साथ इसका सेवन कर सकते हैं।

# ओमिक्रॉन से लड़ने की ताकत देंगे ये सुपरफूड

भारत में ओमिक्रॉन के 1800 से भी ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में इम्यूनिटी बढ़ाने वाली चीजें खाने की सलाह डॉक्टर्स दे रहे हैं। फिलहाल सर्दियों का मौसम चल रहा है तो स्वादिष्ट भरी हरी सब्जियां व विटामिन सी से संबंधित फल जरूर खूब खाएं। कोरोना वायरस एक बार फिर रूप बदलकर लोगों में दहशहत फैला रहा है। ओमिक्रॉन के मामले तेजी से पूरी दुनिया में बढ़ रहे हैं। हेल्थ ऑथोरिटीज लोगों से लगातार कोविड सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह कर रही हैं और डॉक्टर्स लोगों से इम्यूनिटी बढ़ाने वाली चीजों खाने को कह रहे हैं।

## आंवला

विटामिन-सी से भरपूर आवंला एक इम्यून बूस्टिंग फल है, जो सर्दियों में बीमारियों को दूर रखने में कारगर हो सकता है। आंवले का सेवन मुरब्बा, अचार, जूस, चटनी या चूर्ण के रूप में किया जा सकता है। इसमें पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व शरीर को बड़ा फायदा पहुंचाते हैं।

## खजूर

खूजर का इस्तेमाल केक से लेकर शेक जैसी कई चीजों में किया जाता है। इसमें विटामिन, मिनरल और फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। खजूर में पाए जाने वाला कैल्शियम हड्डी और दांतों को फायदा पहुंचाता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, खजूर हमारे इम्यूनिटी सिस्टम के लिए भी बहुत अच्छा होता है।

## बाजरा

न्यूट्रिएंट्स, विटामिन, मिनरल और फाइबर से युक्त बाजरा शरीर के लिए बेहद फायदेमंद चीज है. एक्सपर्ट के मुताबिक, बाजरे में मौजूद विटामिन-बी मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और सर्दियों में शरीर को गर्म रखने का काम करता है। बाजार और रागी जैसी चीजें इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाती हैं।

## खट्टे फल

मौसमी, संतरा या नींबू जैसे खट्टे फलों का सेवन करना बिल्कुल ना भूलें। सर्दियों में मिलने वाले इन खट्टे फलों में विटामिन-सी की मात्रा सबसे ज्यादा होती है, जो तेजी से इम्यूनिटी बढ़ाती है। सर्दियों में आपको नियमित रूप से इनका सेवन करना चाहिए।

## गुड़

आयुष मंत्रालय के अनुसार, काढ़े के रूप में गुड़ का सेवन इम्यून को बूस्ट करने का एक बेहतरीन फॉर्मूला है। यह आमतौर पर होने वाले सर्दी-जुकाम से भी जल्द राहत देता है। गुड़ में मौजूद आयरन, मैग्नीशियम, जिंक, सेलेनियम और पोटैशियम जैसे गुणकारी तत्व इम्यून बूस्ट करने का काम करते हैं।

## हंसना मना है

श्याम ने एक राह चलती अजनबी लड़की से कहा: आपने पहचाना मुझे? लड़की: नहीं, आप कौन हो? श्याम: मैं वही हूं, जिसे आपने कल भी नहीं पहचाना था।

पापा: बेटा, अमेरिका में 15 साल के बच्चे भी अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं। बेटा: लेकिन पापा, भारत में तो एक साल का बच्चा भागने भी लगता है।

पत्नी ने पति को एक जोर का तमाचा मारा। पति तिलमिला उठा और पूछा: मैंने क्या गलती की? पत्नी: तुम कोई गलती करो, उसके लिए मैं इंतजार थोड़े ही करती रहूंगी।

रवि ने चैलेंज किया कि वह कुतुब मीनार को सिर पर रख कर मुंबई ले जा सकता है। इस पर सारी मीडिया वहां पहुंच गई। तब रवि ने मीडिया से कहा -बस कोई कुतुब मीनार उठा के उसके सिर पर रख दे।

कॉलेज में एक लड़की ने दाखिला लिया...सारे लड़के-लड़कियों ने उसे चिढ़ाने के लिए बुआ कहना शुरू कर दिया। कुछ दिनों तक तो उस बेचारी ने सहन किया। अंत में उसने तंग आकर प्रिंसिपल से शिकायत कर दी। लड़की की बात सुन कर प्रिंसिपल को बड़ा क्रोध आया वह क्लास रूम में पहुंचे और बोले, जो भी इसे बुआ कहता है वह तुरन्त खड़ा हो जाए। एक-एक करके सारी क्लास खड़ी हो गई। केवल रवि बैठा रहा तो प्रिंसिपल ने बड़ी हैरानी के साथ उस से पूछा,क्यों रवि तुम क्यों बैठे हो? क्या तुम इसे बुआ नहीं कहते?रवि ने ठंडी सांस भरकर कहा-सर! मैं इस क्लास का फूफा हूं।

## कहानी | लोमड़ी और हंस

एक लोमड़ी और एक हंस दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे। एक दिन लोमड़ी ने हंस को दावत पे अपने घर बुलाया। हंस दावत पे गया और लोमड़ी ने दोनों के लिए खीर बनाई। लेकिन लोमड़ी ने जानबूझकर दोनों के लिए प्लेट में खीर परोसी। अब हंस के सामने परेशानी यह थी कि वो खीर खाये तो कैसे खाये क्यूंकि हंस का मुंह तो पतला होता है और उसकी चोंच भी बिलकुल ऐसी नहीं थी कि वो एक प्लेट में रखी हुई खीर आसानी से खा सके। इसलिए बहुत कोशिश करने के बाद भी हंस कुछ न खा सका। इधर लोमड़ी मजे से खीर खा रही थी क्योंकि प्लेट में खाना उसके लिए बेहद आसान था। इसलिए लोमड़ी ने जल्दी ही अपनी खीर चट कर दी। बेचारा हंस चुपचाप बस लोमड़ी का मुंह देखता रह गया। हंस लोमड़ी के इस व्यवहार पर बेहद नाराज हुआ लेकिन उस समय वो चुपचाप वहां से चला गया। अब वो लोमड़ी से इस अपमान का बदला लेना चाहता था। इसलिए कुछ दिन बाद उसने भी लोमड़ी को अपने घर दावत पे बुलाया। इस बार हंस ने दोनों के लिए खिचड़ी पकाई। जब लोमड़ी दावत पे आयी तो हंस ने दोनों के लिए पतले मुँह वाली सुराहियों में खिचड़ी परोसी। अब लोमड़ी यह देखकर परेशान हो गयी कि उसके लिए एक पतले मुँह वाली सुराही में खाना परोसा गया है जिसके कारण वो कुछ भी खा नहीं सकती। लोमड़ी को इस बार बहुत जोरो की भूख लगी थी लेकिन अब वो खाये तो कैसे। इधर हंस बड़े मजे से खिचड़ी का आनंद ले रहा था क्यूंकि लम्बे और पतले मुंह वाली सुराही में खाना उसके लिए बहुत आसान था। लोमड़ी अब चुपचाप ये सब देखती रही और अब उसे वो पुरानी बात याद आ गयी जब इसी तरह उसने भी हंस का अपमान किया था। अब लोमड़ी बात को समझ चुकी थी। इसलिए वो चुपचाप वहां से खिसक ली। इस प्रकार हंस ने अपने अपमान का बदला ले लिया।

**कहानी से शिक्षा: घर आये मेहमान का कभी अपमान नहीं करना चाहिए।**

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आज का दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में पहले से बनी हुई योजना को किसी और के सामने न रखें अन्यथा दूसरा इसका फायदा उठा सकता है।

**वृषभ**

अपने रास्ते में आने वाली चुनौतियों का लुत्फ उठाएंगे। आप महसूस करेंगे कि सफलता पाने की आग आपके अंदर है। और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

**मिथुन**

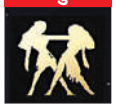

निवेश करते समय सावधान रहें। व्यापार में लाभ होगा। इस राशि के छात्रों को अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। कला क्षेत्र से जुड़े छात्रों को आज अच्छा पैसा मिलेगा।

**कर्क**

आज आपको मेहनत से कम फल मिलेगा। फिर भी काम के प्रति आपकी लगन कम नहीं होगी। अन्य लोगों के साथ संबंध ठीक रहेंगे। सेहत आज अच्छी रहेगी।

**सिंह**

ऑफिस में संभलकर रहने की जरूरत है। कोई आपकी परेशानी का कारण बन सकता है। किसी की मदद सोच-समझकर लें, क्योंकि आज धोखे की प्रबल संभावना है।

**कन्या**

अधिकारी वर्ग के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। बुरी आदतों और नशीले पदार्थों से दूर रहें, नहीं तो आप और अधिक परेशान होंगे। शारीरिक थकान और आलस्य जैसी छोटी-मोटी परेशानियां भी बनी रहेंगी।

**तुला**

आज कोई काम में आपकी मदद कर सकता है। समय के साथ चलें, आप जो काम करना चाहते हैं या अपनी योजना के बारे में जल्द ही कोई अच्छी खबर मिल सकती है। थोड़ा धैर्य रखें।

**वृश्चिक**

आपके प्रेम संबंधों में नई जान आएगी। आप अपनी पुरानी आदतों को छोड़कर नई शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। ऐसा करने से आपका जीवन के प्रति नजरिया बदल जाएगा ।

**धनु**

आज वही करें जो मन को अच्छा लगता है, शुभ समाचार मिलेगा आज आपका अनुशासन भंग हो सकता है. पुराने मामले न उठाएं। खर्चे भी होने की संभावना बन रही है।

**मकर**

आलस्य के कारण कोई काम टल सकता है। ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से वाद-विवाद या मतभेद होने की भी संभावना है। वाहन का प्रयोग सावधानी से करें।

**कुम्भ**

जो योजनाएं आपके हाथ में हैं उनके अलावा आपके हाथ में और भी बहुत से काम होंगे। कार्यक्षेत्र में प्राप्त शुभ समाचार को सुनने के लिए अपने आंख-कान खुले रखें।

**मीन**

काम के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। साथ ही नई जमीन खरीदने का भी मौका मिल सकता है। आज नौकरी में तरक्की के योग हैं। आय और व्यापार के मामले में आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे।

भोजपुरी | मन की बात

# नागिन फिल्म के बाद मेरे घर के बाहर बंदूक लेकर खड़ी रहती थी पुलिस : रीना रॉय

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक रही एक्ट्रेस रीना रॉय ने कई फिल्मों में काम किया और अपनी पहचान बनाई। उनकी सबसे ज्यादा पसंद की गई फिल्मों में से एक है साल 1976 में रिलीज हुई फिल्म नागिन, जिसमें उन्होंने नागिन का रोल प्ले किया था। रीना ने साल 1972 में फिल्म जरूरत से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी लेकिन साल 1976 में रिलीज हुई फिल्म नागिन ने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी थी। रीना ने हाल ही में टाईम्स ऑफ इंडिया से बात की और इस बारे में बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि यह फिल्म उनसे पहले कई बड़ी एक्ट्रेसेस को ऑफर हुई थी। रीना रॉय ने फिल्म नागिन के बारे में बात करते हुए बताया, नागिन टॉप एक्ट्रेसेस को ऑफर हुई थी। लेकिन वो नेगेटिव रोल नहीं निभाना चाहती थीं। यहां तक कि मेरी मां को भी डर था कि मेरी इमेज खराब हो जाएगी क्योंकि नागिन लोगों को मार देती है। लेकिन मैं पेड़ों के इर्द-गिर्द भागते हुए बोर हो गई थी और कुछ अलग करना चाहती थी। इसलिए, मैंने नागिन का किरदार निभाने के लिए हां कह दिया। रीना रॉय ने बताया कि फिल्म नागिन के बाद उनकी जिंदगी बहुत बदल गई थी। पूर्व अभिनेत्री ने बताया, मेरे घर के बाहर फैंस की भीड़ जमा हो जाती थी। सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी बंदूक के साथ घर के बाहर खड़े रहते थे। फैंस ने खून से लिखी चिट्ठियां लिखीं। साथ ही कई शादी के प्रस्ताव भी मिले थे। रीना रॉय की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनका नाम बॉलीवुड एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा के साथ जुड़ा। लेकिन साल 1983 में रीना रॉय ने पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी कर ली और पाकिस्तान चली गईं। दोनों की एक बेटी हुई जिसका नाम उन्होंने जन्नत रखा। हालांकि बाद में दोनों का तलाक हो गया और साल 1992 में वो भारत लौट आईं और फिल्मों में वापसी की।

# एयरपोर्ट पर स्पॉट होते ही ट्रोल हुई काजोल

बॉलीवुड | मसाला

अपनी अदाकारी से लोगों का दिल जीत लेने वाली अदाकारा काजोल किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। आए दिन अदाकारा सुर्खियों में अपनी जगह बटोर ही लेती हैं। अपनी अदाकारी से सबको अपना कायल बना देने वाली काजोल को हाल ही में सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया। दरअसल, काजोल को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था जहां उन्होंने हर एक व्यक्ति का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। काजोल एयरपोर्ट से निकल रही थीं और उनकी चाल बहुत तेज थी। अपनी अजीब चाल की वजह से काजोल को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

हाल ही में बॉलीवुड अदाकारा काजोल को एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए देखा गया। इस दौरान उनकी चाल बहुत तेज थी जिसकी वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है। उनकी चाल को देखकर ऐसा लग रहा था कि काजोल बहुत जल्दी में हैं और वह एयरपोर्ट से जल्द से जल्द बाहर निकलना चाहती हैं। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर आया वैसे ही सोशल मीडिया यूजर्स जमकर रिएक्ट करने लगे। लोगों ने काजोल का जमकर मजाक उड़ाया। सोशल मीडिया पर काजोल अब मजाक का पात्र बन गई हैं।

लोगों ने अदाकारा को ट्रोल करते हुए उनका खूब मजाक उड़ाया। कुछ सोशल मीडिया यूजर ने काजोल का मजाक उड़ाते हुए उनकी चाल को राजधानी एक्सप्रेस बताया। वहीं, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने तो यहां तक कह दिया कि उन्हें वॉशरूम जाना होगा। इसके साथ कुछ लोगों ने कमेंट करते हुए यह लिखा कि प्रेशर होगा तेज। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि लोगों ने उनके मेकअप को लेकर भी उन्हें ट्रोल किया और यह कह दिया कि बिना मेकअप के निकल पड़ी लगता इसलिए भाग रही।

# मराठी फिल्मों में डेब्यू करेंगी निधि झा!

भोजपुरी | गपशप

भोजपुरी एक्ट्रेस निधि झा अपने एक्टिंग और सिंगिंग के दम पर भोजपुरी दर्शकों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रही हैं। अब निधि नए साल पर अपने फैंस को एक नहीं बल्कि दो- दो तोहफे देने की तैयारी में हैं।

दरअसल, निधि ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक फोटो शेयर किया है। ये तस्वीर निधि के नए साल पर आने वाले गीत हैप्पी न्यू ईयर का पोस्टर है। इस गाने का संगीत मुन्ना दुबे ने दिया है और उन्होंने ही इसे लिखा भी है। पोस्टर शेयर करते हुए निधि ने कैप्सन में लिखा, दोस्तों कल सुबह 6 बजे मेरा गाया हुआ रैप सांग हैप्पी न्यू ईयर जरुर देखियेगा यूट्यूब चैनल पर। आपकी - निधी झा। काम की बात करें तो निधि झा कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं, जिसमें घरवाली बहारवाली 2, परशुराम, बेटी छठी माई के 2, लाडो, बेटी नंबर 1 और थोड़ा गुस्सा थोड़ा प्यार जैसी शानदार फिल्मों के नाम शामिल हैं। इन फिल्म के अलावा निधि जल्द ही फिल्म शतीर से मराठी में डेब्यू करने वाली हैं। ये खबर उनके चाहनेवालों के लिए किसी सौगात से कम नहीं है। इसी के साथ आपको ये भी बताते चलें कि निधि झा और मशहूर फिल्म एक्टर यश कुमार एक दूसरे को लम्बे वक्त से डेट कर रहे हैं और सोशल मीडिया के जरिए अपने रिश्तों पर मुहर भी लगा चुके हैं।

अजब-गजब | सात सदी से शापित है ये गांव

# यहां आज भी कोई नहीं बनाता दो मंजिला मकान

हमारे देश में ऐसे कई स्थान हैं जिन्हें श्रापित माना जाता है। इसी श्राप की वजह से आज भी यहां कुछ अनहोनी होती रहती हैं। वैसे राजस्थान में तमाम ऐसे स्थान हैं जिनके बारे में अलग-अलग बातें कही जाती रही हैं। चूरू जिले के सरदारशहर तहसील के उडसर गांव के बारे में भी कुछ ऐसा ही कहा जाता है। इस गांव में कोई भी घर दो मंजिला नहीं है। इसके पीछे की वजह इस गांव का श्रापित होना बताया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये गांव पिछले 700 सालों से श्राप झेल रही है इसीलिए इस गांव में आजतक किसी ने दो मंजिल इमारत बनाने की हिम्मत नहीं जुटाई।

बताया जाता है कि 700 साल पहले इस गांव भोमिया नाम का एक व्यक्ति रहता था। भोमिया गोभक्त था और उसके पास के ही गांव आसपालसर में उनकी ससुराल थी। एक बार भोमिया के गांव में लुटेरे आ गये और वो गायों को चुरा कर ले जाने लगे। इस पर भोमिया लुटेरों से भिड़ गया। इस दौरान भोमिया बुरी तरह से जख्मी हो गया। उसके बाद भोमिया दौड़ते-दौड़ते अपने ससुराल पहुंच गया और वहां दूसरी मंजिल पर जाकर छिप गया। जब लुटेरे वहां पहुंचे और ससुराल वालों से मारपीट करने लगे और भोमिया के बारे में जानकारी मांगी। इस पर ससुराल वालों ने भोमिया के दूसरे मंजिल पर छिपे होने की बात लुटेरों को बता दी। जिसके बाद लुटेरों ने उनका सिर धड़ से अलग कर दिया, लेकिन भोमिया अपना सिर हाथ में लिए हुए उनसे लड़ते रहा और और लड़ते-लड़ते अपने गांव की सीमा के पास पहुंच गया। इस दौरान भोमिया का लड़का भी युद्ध में लड़ते हुए शहीद हो गया। बाद में भोमिया का धड़ उड्सर गांव में आकर गिर गया। जहां भोमिया का मन्दिर बनाया गया। इसी दौरान भोमिया की पत्नी ने गांव में श्राप दिया कि आज से घर पर कोई दूसरी मंजिल नही बनाएगा और खुद सती हो गईं। गांव के लोगों का मानना है कि ये श्राप इसलिए दिया गया ताकि आगे से अगर घर में कोई मंजिल नहीं होगी तो किसी पर वो मुसीबत नहीं आएगी जो भोमिया पर आई थी. गांव के लोगों ने बताया कि उस दिन के बाद जिस किसी ने दो मंजिल मकान बनाया उस घर की औरत मर गई और एक का तो पूरा परिवार ही खत्म हो गया। इसी डर से लोग आज भी अपने घरों पर दूसरी मंजिल यानि मालिया नहीं बनाते हैं. इस गांव में शिक्षित लोग भी हैं लेकिन वो भी इस परंपरा को मानते हैं।

लोगों का कहना है कि वे लोग इसे अंधविश्वास नहीं मानते हैं। ये वर्षों से चली आ रही परम्परा है, जिसे वो लोग तोड़ना नहीं चाहते। भोमिया का मंदिर आज भी इस गांव में मौजूद है। गांव के लोग इस मंदिर में गहरी आस्था रखते हैं। हर दिन इस मंदिर में पूजा की जाती है। इसी तरह गांव से 2 किलोमीटर दूर रेतीली धोरों (माटी के टिल्लो) के बीच माता सती का मंदिर है। माता सती के मंदिर में बांस की झाड़ू चढ़ाई जाती है। इस मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में मांगी गई हर मनोकामना पूरी होती है।

# दुनिया का ऐसा अनोखा पक्षी, जो कभी जमीन पर नहीं रखता पैर

धरती पर कई तरह के जीव-जंतु और पक्षी रहते हैं। पक्षियों को आपने पेड़ बैठे या आसमान में उड़ते हुए देखा होगा। साथ ही जमीन पर बैठते या दाना चुगते हुए भी आपने पक्षियों को जरूर देखा होगा, लेकिन इस दुनिया में एक ऐसा भी पक्षी है जो जमीन पर कभी अपने पैर नहीं रखना चाहता है। जी हां, हरियल नाम का ये पक्षी कभी जमीन पर पैर नहीं रखता। इस पक्षी का वैज्ञानिक नाम Treron Phoenicoptera है और ये अपना घोसला बरगद और पीपल के पेड़ों पर बना कर रहता है। हरियल पक्षी अपना घोसला घास के तिनकों और पत्तियों से बनाता है। इस पक्षी के बारे में ये भी कहा जाता है कि ये अपना घोसला घने और ऊंचाई वाले पेड़ों पर बनाना पसंद करते हैं। अगर आपने अभी तक इस पक्षी के बारे में नहीं सुना है, तो आज हम आपको इस रिपोर्ट में बताएंगे खास बातें। चलिए जानते हैं... हरियल की शक्ल कबूतर जैसी होती है। साथ ही इस पक्षी का रंग स्लेटी और हरे रंग से मिला होता है। इसमें पीले रंग की धारियां होती हैं। इस पक्षी की चोंच मोटी और मजबूत होती है। आंखों का रंग नीला होता है और उसके चारों ओर गुलाबी घेरा होता है। इसे अंग्रेजी में ग्रीन पिजन कहते हैं यानी हरा कबूतर। ये पक्षी पतझड़ या सदाबहार जंगलों के पेड़ों पर रहना ज्यादा पसंद करता है। इसे जमीन आना पसंद नहीं, इसलिए अपना सारा जीवन ये पेड़ों पर ही बिता देता है। इसकी उम्र करीब 26 वर्ष होती है और ये तीन सेंटीमीटर लंबा होता है। ये पक्षी आपको पेड़ के सबसे ऊपर के भाग पर बैठते हुए दिख जाएगा। हरियल पक्षी एक शाकाहारी पक्षी होता है और फल, पौधे के अंकुर और अनाज खाना पसंद करता है। भारत के अलावा ये पक्षी पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, बर्मा, चीन आदि देशो में भी पाए जाते हैं। कहा जाता है कि ये पक्षी बहुत शर्मिला होता है। इंसान के आते ही चुप्पी साध लेता है।

# कोरोना : प्रदेश में बढ़ी सख्ती, नाइट कर्फ्यू अब रात 10 से सुबह 6 बजे तक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 14 जनवरी तक बंद रहेंगे स्कूल, शादी समारोह में शामिल हो सकेंगे सौ लोग

» एक हजार केस वाले जिलों में लागू की जाएंगी कड़ी पाबंदियां

लखनऊ। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए यूपी सरकार ने सख्ती बढ़ा दी है। रात्रिकालीन कर्फ्यू रात 10 से सुबह 6 बजे तक लागू कर दिया है। इसके अलावा 10वीं तक के सभी स्कूल 14 जनवरी तक बंद कर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की टीम-9 के साथ बैठक हुई है। बैठक में फैसला लिया गया है कि 6 जनवरी से नाइट कर्फ्यू रात 10 से सुबह 6 तक लागू किया जाए। 10वीं तक के स्कूल मकर संक्रांति तक बंद रहेंगे। 1000 केस वाले जिलों में कड़ी पाबंदियां लागू की जाएंगी। जिन जनपदों में एक्टिव केस की न्यूनतम संख्या 1000 से अधिक हो जाएंगी, वहां जिम, स्पा, सिनेमाहॉल, बैंक्वेट हॉल, रेस्टोरेंट आदि सार्वजनिक स्थलों को 50 फीसदी क्षमता के साथ संचालित किया जाएगा।

शादी समारोह व अन्य आयोजनों में बंद स्थानों में एक समय में 100 से अधिक लोगों की सहभागिता न हो। खुले स्थान पर ग्राउंड की कुल क्षमता के 50 फीसदी से अधिक लोगों के उपस्थिति की अनुमति नहीं दी जाएगी। मास्क-सैनिटाइजर की अनिवार्य रहेगा।

## ओमिक्रॉन के 23 और कोरोना के 992 नए केस मिले

लखनऊ। यूपी में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। मंगलवार को कोरोना से संक्रमित 992 नए रोगी मिले। बीते 24 घंटे में मरीजों की संख्या में डेढ़ गुणा से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। सोमवार को 572 रोगी मिले थे। सबसे ज्यादा गाजियाबाद में 174 रोगी मिले हैं। गौतम बुद्ध नगर में 165, लखनऊ में 150 व मेरठ में 102 मरीज सामने आए हैं। अब सक्रिय केस बढ़कर 3173 हो गए हैं। सिर्फ महोबा व चित्रकूट ही अब संक्रमण मुक्त है। 73 जिले अब संक्रमण की चपेट में हैं। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि बीते 24 घंटे में 1.66 लाख लोगों की कोरोना जांच की गई। अब तक 9.36 करोड़ लोगों का कोरोना टेस्ट कराया जा चुका है। अब तक कुल 17.14 लाख लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं और इसमें से 16.88 लाख रोगी ठीक हो चुके हैं। रिकवरी रेट 98.5 प्रतिशत है। यूपी में मंगलवार को कोरोना के ओमिक्रॉन के 23 नए रोगी मिले। इसमें सबसे ज्यादा आठ रोगी लखनऊ के मिले हैं। वहीं मेरठ में पांच, गाजियाबाद में तीन व मुरादाबाद, कानपुर और आगरा में दो-दो तथा महाराजगंज में एक नया मरीज मिला है। अब तक ओमिक्रॉन वैरिएंट के कुल 31 मरीज प्रदेश में मिल चुके हैं।

## बाइक व पिकअप की टक्कर में दो की मौत

» पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। बलिया में गड़वार थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामपुरभोज के पास मंगलवार की देर शाम बाइक व पिकअप की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया।

गड़वार-रतसर मार्ग पर पिकअप और बाइक में आमने-सामने टक्कर हो गई। जिसमें प्रकाश यादव (25) निवासी गौरनिया थाना खेजुरी तथा उनके बहनोई मध्य प्रदेश के निवासी घनश्याम (30) गंभीर रूप से जख्मी हो गए। लोगों ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे गड़वार थानाध्यक्ष श्रीधर पांडेय व रतसर चौकी इंचार्ज गिरिजेश सिंह ने दोनों गाड़ियों को कब्जे में ले लिया।

# किसान नेता चढ़ूनी की पार्टी सभी सीटों पर उतारेगी प्रत्याशी

» पंजाब चुनाव: खुद चुनाव नहीं लड़ने का किया ऐलान जल्द जारी होगी लिस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुरुक्षेत्र। भाकियू अध्यक्ष एवं संयुक्त संघर्ष पार्टी पंजाब के संस्थापक गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ना उनका अंतिम निर्णय है। उनकी पार्टी पंजाब की सभी 117 विधान सभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। जल्द ही प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी जाएगी। वह स्वयं चुनाव नहीं लड़ेंगे और शीघ्र ही पार्टी का घोषणा पत्र भी जारी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पंजाब में चुनाव लड़ने के इच्छुक प्रत्याशियों के नाम आने शुरू हो गए हैं। उनके पास काफी प्रत्याशियों के नाम भी आ चुके हैं। वह अपनी पार्टी का किसी दल में विलय नहीं करेंगे बल्कि पंजाब के कई किसान संगठनों के सहयोग से चुनाव लड़ा जाएगा। पंजाब के कई किसान संगठनों ने उन्हें समर्थन देने का विश्वास दिलाया है। पंजाब के किसान नेता रशपाल सिंह जोड़ामाजरा को पार्टी का पंजाब का प्रदेशाध्यक्ष और अनुसूचित वर्ग के नेता कांता आहलड़िया को प्रदेश प्रभारी मनोनीत किया गया है। वहीं उन्होंने कहा कि अमीर-गरीब की बढ़ती खाई, बेरोजगारी, निशुल्क शिक्षा और चिकित्सा, खेती को लाभकारी बनाने, कर्ज तले दबे किसानों की आत्महत्या की घटनाओं पर विराम लगाने, पंजाब को नशामुक्त बनाने और न्याय प्रणाली को दुरुस्त बनाने के आधार पर विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा।

## महिला ने दारोगा से की मारपीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। शास्त्री चौक पर मंगलवार को बिना हेलमेट बाइक सवार को रोकने पर हंगामा हो गया। बाइक पर बैठी महिला ने खुद को कांग्रेस नेत्री बताते हुए दारोगा से मारपीट की।

ट्रैफिक में तैनात दारोगा अजय सिंह कचहरी चौराहे पर ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान एक महिला और एक युवक के साथ बाइक से जा रही थी। बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाया था और सिग्नल तोड़ दिया। यह देखते ही दरोगा ने रोक लिया। इसके बाद महिला खुद को कांग्रेस नेत्री बताकर छोड़ने का दबाव बनाने लगी। महिला ने दरोगा को थप्पड़ जड़ दिया। उसका बेटा भी आ गया और उसने भी पुलिसकर्मियों से मारपीट की। एसपी ट्रैफिक इंदु प्रभा सिंह ने कहा कि ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की गई है। केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

# झूठे वादे करने में माहिर हैं सीएम गहलोत : पुनिया

» प्रदेश में बढ़ी बेरोजगारी दर, नहीं माफ हुआ किसानों का कर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर । राजस्थान के भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री झूठे वादे और घोषणाएं करने में माहिर हैं और अपनी सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए केंद्र पर निराधार आरोप लगाते हैं।

सतीश पूनिया ने कहा कि राज्य में कांग्रेस ने सत्ता में आने के बाद किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था जो अभी बाकी है। बेरोजगार युवाओं को विरोध करने के लिए मजबूर किया गया है क्योंकि राज्य की बेरोजगारी दर लगभग 27 फीसदी है। मुख्यमंत्री गहलोत अपनी सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य मंत्रियों पर बेबुनियाद आरोप लगाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि कांग्रेस विधायक और मंत्री भी अपनी सरकार के काम करने के तरीके से नाखुश हैं। राजस्थान के मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने अपनी ही सरकार पर खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया था। पूनिया ने कांग्रेस नेता सचिन पायलट का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत ने राज्य के डिप्टी सीएम को बर्खास्त कर दिया।

# सुरक्षाबलों ने जैश के तीन आतंकियों को मार गिराया

» एक पाकिस्तानी भी शामिल, तलाशी अभियान जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकियों को मार गिराया है। इनमें एक पाकिस्तान का आतंकी भी शामिल है। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

खुफिया विभाग से पुलवामा जिले के चांदगाम इलाके में आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली। इस पर सुरक्षाबलों ने तुरंत इलाके को घेर लिया। सुरक्षाबलों से खुद को घिरा देख आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए जैश के तीन आतंकवादी मार गिराए। इनमें से एक पाकिस्तानी नागरिक है। आईजीपी कश्मीर ने बताया कि अभी तक 2 एम-4 कार्बाइन और एक एके सीरीज राइफल सहित आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। इससे पहले कल दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। दोनों ही स्थानीय आतंकी लश्कर-ए-ताइबा के सदस्य बताए जा रहे हैं। फिलहाल इनके नामों के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

# सरकारी एजेंसियों के भरोसे चुनावी नैया पार लगाना चाहती है भाजपा!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने उठाए कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधान सभा चुनाव से पहले केंद्रीय एजेंसियां भी मैदान में उतर आयी हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सहयोगियों के घर इनकम टैक्स के छापे पड़ रहे हैं। सवाल यह है कि चुनाव से पहले सरकार छापेमारी की याद क्यों आती है? क्या ये छापे अखिलेश को फायदा पहुंचाएंगे या नुकसान करेंगे? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल, शीतल पी सिंह, अमलेंदु उपाध्याय, उमाशंकर दुबे, अरुणा सिंह, सपा प्रवक्ता अब्बास हैदर और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

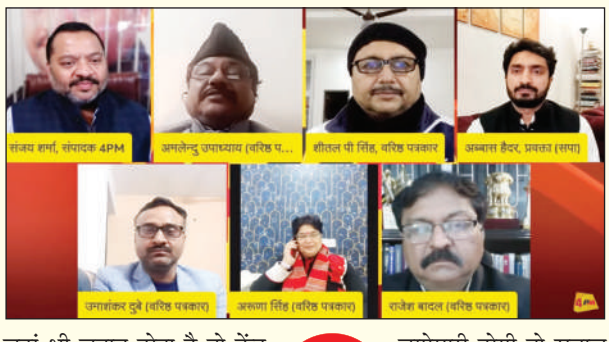


परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अमलेंदु उपाध्याय ने कहा, जहां भी चुनाव होता है तो केंद्र की एजेंसियां सक्रिय हो जाती हैं। नोटबंदी के बाद इतने नोट कहां से निकल रहे हैं। पीएम को यह बताना चाहिए। उमाशंकर दुबे ने कहा, सरकार की नीतियों से व्यापारी परेशान है। छापेमारी होनी चाहिए लेकिन जब चिन्हित कर छापेमारी होगी तो सवाल उठेंगे। अरुणा सिंह ने कहा, पिछले सात सालों में संवैधानिक संस्थाओं और एजेंसियों को नष्ट कर दिया गया है। ये छापे सियासी बदले की भावना से किए जा रहे हैं। यूपी में अखिलेश लीड

### मुख्य विपक्षी पार्टी सपा के नेताओं के यहां डलवाए जा रहे छापे

बना रहे हैं तो भाजपा उनको परेशान कर रही है। शीतल पी सिंह ने कहा, बसपा सड़क पर आयी ही नहीं है। भाजपा चाहती है सपा और अन्य दल भी सरेंडर कर दें। अखिलेश भाजपा का मुकाबला कर रहे हैं। सर्वे में भी 33 फीसदी वोट सपा को मिल रहा है। यह भाजपा को असहज कर रही है।

राजेश बादल ने कहा, बीते चालीस सालों में लोकतंत्र में होने वाले चुनाव को सारी पार्टियों ने धंधा बना दिया है। राजनीति अब सेवा नहीं रह गयी है। सभी पार्टियां इसमें शामिल हो चुकी हैं। सपा प्रवक्ता अब्बास हैदर ने कहा, भाजपा सरकारी पैसे का दुरुपयोग कर रही है। सरकारी मंचों से राजनीतिक भाषण दिया जाता है। जनता इस सबको समझ रही है।

## धनन्जय के क्रिकेट खेलने पर अखिलेश ने साधा निशाना, कहा

# सीएम के करीबी अपराधी नहीं दिखते

सपा प्रमुख ने भाजपा पर बोला जोरदार हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव के मैदान में माफियाओं पर कार्रवाई को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा लगातार यूपी चुनाव के मैदान में माफियाओं के खिलाफ सीएम योगी आदित्यनाथ के बुलडोजर का जिक्र करती रही है।

भाजपा के हमले पर विपक्षी दल हमेशा बचाव की मुद्रा में रहती है। हालांकि अब अखिलेश यादव ने जोरदार हमला भाजपा पर बोल दिया है। दरअसल, एक वीडियो सोशल मीडिया पर चल रही है, इसमें यूपी पुलिस का ईनामी धनंजय सिंह क्रिकेट खेलता हुआ दिख रहा है। वीडियो में उसके आसपास बड़ी संख्या में आम लोग दिख रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार और लखनऊ पुलिस पर करारा हमला बोल दिया है।

### भाजपा और यूपी पुलिस दोनों को बनाया निशाना

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले में भाजपा और यूपी पुलिस दोनों को निशाना बनाया है। तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा का काम, अपराधी सरेआम। सीएम योगी आदित्यनाथ को घेरते हुए अखिलेश ने कहा कि बाबाजी अपने करीबी नालबद्ध माफियाओं के टॉप टेन की सूची बनाकर एक टीम बना लें। आईपीएल की तरह एमबीएल मतलब माफिया भाजपा लीग शुरू कर दें। शहर के पुलिस कप्तान तो उनके लिए पिच बिछाए बैठे ही हैं और टीम के कप्तान वो खुद हैं ही। हो गए पूरी ग्यारह। इससे पहले भी कई बार सपा प्रमुख यूपी पुलिस को निशाने पर ले चुके हैं।

# यूपी में कांग्रेस नहीं करेगी कोई भी बड़ी चुनावी रैली!

### » कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर कांग्रेस का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते संक्रमण को देखते हुए यूपी कांग्रेस ने बड़ा फैसला लिया है। पार्टी नेतृत्व ने तय किया है यूपी में फिलहाल किसी बड़ी रैली का आयोजन नहीं किया जाएगा। कांग्रेस यूपी चुनाव में वर्चुअल रैली पर जोर देगी।

पार्टी ने इसके साथ राज्य में आयोजित होने वाली लड़कियों की मैराथन रेस को भी रद्द कर दिया है। साथ ही पार्टी नेतृत्व ने वाराणसी और आजमगढ़ में होने वाली मैराथन दौड़ को कैंसिल कर दिया है। आजमगढ़ में आज तो वहीं वाराणसी में वहीं वाराणसी में 9 जनवरी को लड़कियों की मैराथन दौड़ का आयोजन रखा गया था, लेकिन अब इसे अगली सूचना तक कैंसिल कर दिया गया है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का यह फैसला ऐसे वक्त में आया है, जब इन मैराथन रेस में बड़ी संख्या में लड़कियां जुट रही थी। इस भीड़ के कारण कई बार इन दौड़ में अव्यवस्था भी देखने को मिली। बरेली में आयोजित ऐसी ही एक मेराथन रेस में मंगलवार को भगदड़ जैसे हालात बन गए थे, जिसमें कई लड़कियां घायल हो गईं। इसके बाद से कांग्रेस के इस मैराथन दौड़ पर सवाल उठना शुरू हो गए।

### पंजाब सरकार का बड़ा फैसला, कॉलेज स्टूडेंट्स को 2000 रु. इंटरनेट अलाउंस

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव में युवाओं को कांग्रेस के पक्ष में लाने के लिए मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने युवा रोजगार गारंटी योजना लाने और कॉलेज जाने वाले राज्य के 8.67 लाख विद्यार्थियों के खातों में अगले दो से तीन दिन में 2000 रुपये डालने की घोषणा की है। यह फैसला कैबिनेट बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री चन्नी ने कहा कोविड के कारण कॉलेज विद्यार्थियों को अब घर बैठकर पढ़ाई करनी होगी, इसलिए उन्हें इंटरनेट अलाउंस के लिए यह राहत दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कालेज विद्यार्थी आज ही अपने कॉलेज जाकर अपने बैंक खाते के बारे में जानकारी दें।

## ग्रीन कारिडोर में आ रहा सिंचाई विभाग का कारखाना हटेगा: दुर्गा शंकर मिश्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में लखनऊ ग्रीन कारीडोर प्रोजेक्ट की बैठक में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा परियोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में नगर निगम व अपट्रॉन की दो हेक्टेयर भूमि को मॉनिटाइजेशन (मुद्रीकरण) के लिए उपलब्ध कराने के संबंध में में विचार किया गया। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि उक्त भूमि अभी उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है।

इस पर मुख्य सचिव द्वारा इसके कानूनी मुद्दे का परीक्षण कराने के लिए विशेष सचिव नगर विकास, नगर आयुक्त व उपाध्यक्ष, लविप्रा की समिति गठित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा माढरमऊ गांव में स्थित सिंचाई विभाग की दो हेक्टेयर भूमि के संबंध में मुख्य सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि सिंचाई विभाग इसका पुन: निरीक्षण कर लें तथा अपने कारखाने की आवश्यकता को मद्देनजर रखते हुए उसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करे और भूखंड को लविप्रा को हस्तांतरित करने के संबंध में अपनी सहमति प्रदान करें।

फोटो: सुमित कुमार

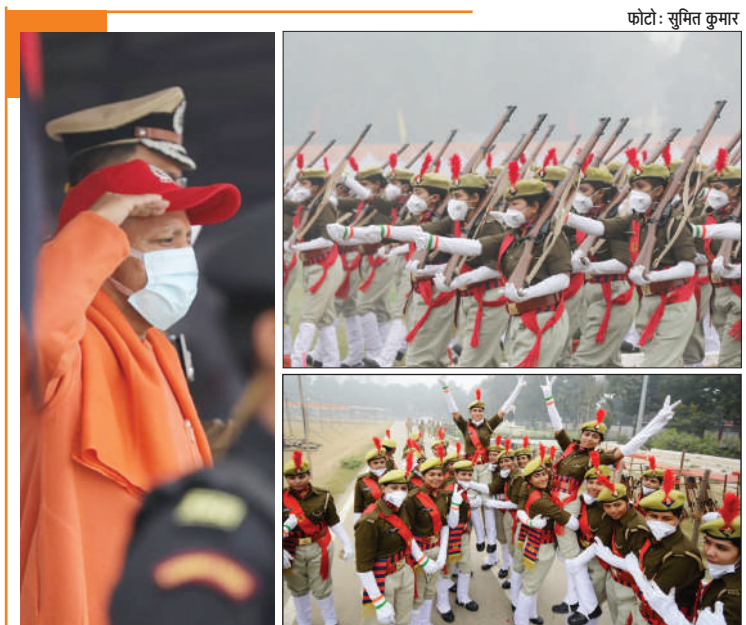

**दीक्षांत समारोह** राजधानी लखनऊ के पुलिस लाइन में महिला रिक्रूट अंखियों का दीक्षांत समारोह मनाया गया, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिरकत की और महिला रिक्रूट को सेल्यूट किया।

## यूपी में आप के दर्जनभर नेता होम आइसोलेशन में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जोरदार तैयारी में लगी आम आदमी पार्टी की गति करीब एक हफ्ते तक थम जाएगी। आम आदमी पार्टी के संयोजक तथा दिल्ली से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी एक दर्जन से अधिक बड़े नेता होम आईसोलेशन में हैं।

यह सभी नेता दो जनवरी को लखनऊ में अरविंद केजरीवाल की रैली में शामिल थे। लखनऊ में दो जनवरी को अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी के चुनावी अभियान का शुभारंभ किया था। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राजधानी के स्मृति उपवन में आयोजित आप की महारैली में उत्तर प्रदेश सरकार तथा समाजवादी पार्टी पर हमला बोला था। केजरीवाल के अब कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद पार्टी के शीर्ष नेताओं में खलबली मच गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।